DSSSB

SST-TGT

@ 8:00 pm

Indian economy

Digvijay Sir

भारत के उद्योग

लौह इस्पात उद्योग

- देश में पहला लौह-इस्पात कारखाना 1874 ई. में बराकर नदी के किनारे कुल्टी (आसनसोल, पश्चिम बंगाल) नामक स्थान पर बंगाल आयरन वर्क्स (BIW) के रूप में स्थापित किया गया था।
- देश में सबसे पहला बड़े पैमाने का कारखाना 1907 ई. में झारखण्ड राज्य में स्वर्णरेखा नदी की घाटी में साकची नामक स्थान पर जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित किया गया था।
- भारतीय लौह इस्पात कम्पनी : इसकी स्थापना 1918 ई. में पश्चिम बंगाल की दामोदर नदी घाटी में हीरापुर (बाद में इसे बर्नपुर कहा गया) नामक स्थान पर की गयी थी। यहाँ 1922 से उत्पादन शुरू हुआ।
- आगे चलकर कुल्टी, बर्नपुर तथा हीरापुर स्थित संयंत्रों को इसमें मिला दिया गया।
- मैसूर आयरन एण्ड स्टील वर्क्स : 1923 ई. मैसूर राज्य (वर्तमान कर्नाटक) के भद्रावती नामक स्थान पर स्थापित की गयी थी।
- इसका वर्तमान नाम विश्वेश्वरैया आयरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड (VISCL) है।
- स्टील कॉर्पोरेशन ऑफ बंगाल : इसकी स्थापना 1937 ई. बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) में की गयी।
- बाद में 1953 ई. में इसे भारतीय लौह-इस्पात कम्पनी में मिला दिया गया।
- भिलाई इस्पात संयंत्र : इसकी स्थापना 1955 ई. में तत्कालीन मध्यप्रदेश के भिलाई (दुर्ग जिला, अब छत्तीसगढ़ राज्य) में पूर्व सोवियत संघ की सहायता से की गयी थी।
- हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, राउरकेला : इसकी स्थापना ओडिशा के राउरकेला नामक स्थान पर पश्चिम जर्मनी की सहायता से की गयी थी।
- हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, दुर्गापुर : इसकी स्थापना 1956 ई. में पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर नामक स्थान पर ब्रिटेन की सहायता से की गयी थी।
- बोकारो स्टील प्लान्ट : इसकी स्थापना 1968 ई. में तत्कालीन बिहार राज्य (अब झारखंड) के बोकारो नामक स्थान पर पूर्व सोवियत संघ की सहायता से की गई थी।
- सलेम इस्पात संयंत्र : सलेम (तमिलनाडु)।
- विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र : विशाखापत्तनम (आन्ध्रप्रदेश)।
- विजयनगर इस्पात संयंत्र : हॉस्पेट बेलारी जिला (कर्नाटक)।
- स्टील ऑथारिटी ऑफ इंडिया (SAIL) – 24 जनवरी, 1973 को 2000 करोड़ पूँजी के साथ भारत इस्पात प्राधिकरण (Steel Authority of India) को भिलाई, दुर्गापुर, बोकारो, राउरकेला, बर्नपुर, सलेम एवं विश्वेश्वरैया लौह इस्पात कारखाना को एक साथ मिलाकर संचालन करने की जिम्मेदारी दी गई।
- भारत का पहला तटवर्ती इस्पात कारखाना विशाखापत्तनम (आन्ध्र प्रदेश) में लगाया गया।

एल्युमिनियम उद्योग

- भारत में एल्युमिनियम का पहला कारखाना 1937 ई. में पश्चिम बंगाल में आसनसोल के निकट जे. के. नगर में स्थापित किया गया था।
- 1938 ई. में चार कारखाने, तत्कालीन बिहार राज्य के मुरी, केरल के अलवाये, पश्चिम बंगाल के बेलूर तथा ओडिशा के हीराकुड में स्थापित किये गये।
- हिन्दुस्तान एल्युमिनियम कॉर्पोरेशन (हिण्डाल्को) की स्थापना तत्कालीन मध्य प्रदेश के कोरबा नामक स्थान पर की गयी।
- मद्रास एल्युमिनियम कम्पनी तमिलनाडु के मैटूर में स्थापित की गयी।

भारत की प्रमुख एल्युमिनियम कंपनी

कंपनी	सहायक देश	प्रमुख केन्द्र
बाल्को	सोवियत संघ	कोरबा एवं कोयना
नाल्को	फ्रांस	दामनजोड़ी (ओडिशा)
हिंडाल्को	यू.एस.ए.	रेणुकूट (उ. प्र.)
इंडाल्को	कनाडा	जम्मू-कश्मीर नगर
		मुरी एवं अल्वाये
माल्को	इटली	चेन्नई, मेट्टूर, सलेम
वेदांता	जर्मनी	झारसुगड़ा

- एल्युमिनियम उत्पादन करने में भारत का विश्व में आठवाँ स्थान है।

- नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को), देश के सबसे बड़े समन्वित, एल्युमिनियम संयंत्र परिसर का गठन 7 जनवरी, 1981 को किया गया था। इसका पंजीकृत कार्यालय भुवनेश्वर में है।

सूती वस्त्र उद्योग

- सूती वस्त्र की पहली मिल की स्थापना 1818 ई. में कोलकाता के समीप फोर्ट ग्लॉस्टर में की गयी थी, किन्तु यह असफल रही थी।
- सबसे पहला सफल आधुनिक सूती कपड़ा कारखाना 1854 ई. में बम्बई में कवासजी डावर द्वारा खोला गया, जिसमें 1856 ई. से उत्पादन प्रारंभ हुआ।
- सूती वस्त्र उद्योग का सर्वाधिक केन्द्रीयकरण महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्य में है।
- अन्य प्रमुख राज्य हैं—पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, केरल, उत्तर प्रदेश।
- मुम्बई को भारत के सूती वस्त्रों की राजधानी के उपनाम से जाना जाता है।
- कानपुर को उत्तर भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है।
- कोयम्बटूर को दक्षिण भारत का मैनचेस्टर कहा जाता है।
- अहमदाबाद को भारत का बोस्टन कहा जाता है।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में कपड़ा उद्योग का स्थान कृषि के बाद दूसरा है।
- यह उद्योग देश में कृषि के बाद रोजगार प्रदान करने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है।

जूट उद्योग

- सोने का रेशा (Golden fibre) के नाम से मशहूर जूट के रेशों से सामानों का निर्माण करने में भारत का विश्व में प्रथम स्थान प्राप्त है।
- इसका पहला कारखाना कोलकाता के समीप रिशरा नामक स्थान में 1859 ई. में लगाया गया था।
- भारतीय जूट निगम की स्थापना 1971 ई. में जूट के आयात, निर्यात एवं आन्तरिक बाजार की देखभाल के लिए की गयी है।

जूट उद्योग से संबंधित प्रमुख स्थान :

प. बंगाल	टीटागढ़, रिशरा, बाली, अगर पाड़ा, बांसबेरियाँ, कान किनारा, उलुबेरिया, सीरामपुर, बजबज, हावड़ा, श्यामनगर, शिवपुर, सियालदह, बिरलापुर, होलीनगर, बैरकपुर।
आन्ध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम, गुण्टूर।
उत्तर प्रदेश	कानपुर, सहजनवाँ (गोरखपुर)।
बिहार	पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, दरभंगा।

चीनी उद्योग

- भारत में आधुनिक चीनी उद्योग की शुरुआत 1903 ई. में बिहार में पहली चीनी मिल की स्थापना के साथ हुई।
- भारत के निम्न राज्य चीनी उद्योग से संबंधित हैं—

महाराष्ट्र	मनसद, नासिक, अहमदनगर, पूना, शोलापुर एवं कोल्हापुर।
बिहार	मोतीहारी, सुगौली, मझौलिया, चनपटिया, नरकटियागंज, मढ़ौरा, (सिघवलिया) सासामूसा, मोतीपुर, गोपालगंज, डालमियानगर, सारण, समस्तीपुर, दरभंगा, चम्पारण, हसनपुर आदि।
उत्तर प्रदेश	देवरिया, भटनी, पडरौना, गोरखपुर, गौरी बाजार, सिसवाँ बाजार, बस्ती, बलरामपुर, गोंडा, बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, बिजनौर, मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद, बुलन्दशहर, कानपुर, मैनजाबाद एवं मुजफ्फरनगर आदि।
प. बंगाल	तेलडांगा, पलासी, हावड़ा एवं मुर्शिदाबाद।
पंजाब	हमीरा, फगवाड़ा, अमृतसर।
हरियाणा	जगधारी एवं रोहतक।
तमिलनाडु	अरकाट, मदुरै, कोयम्बटूर, तिरुचिरापल्ली।

आन्ध्र प्रदेश	सीतापुरम, पीठापुरम्, बेजवाड़ा, हास्पेट एवं साभल कोट।
राजस्थान	गंगानगर, भूपाल सागर।

सीमेन्ट उद्योग

- विश्व में सबसे पहले आधुनिक रूप से सीमेन्ट का निर्माण 1824 ई. में ब्रिटेन के पोर्टलैण्ड नामक स्थान पर किया गया था।
- भारत में आधुनिक ढंग से सीमेन्ट बनाने का पहला कारखाना 1904 ई. में मद्रास में लगाया गया था, जो असफल रहा।
- एसोसिएट सीमेन्ट कम्पनी लि. (A.C.C) की स्थापना 1936 ई. में की गयी थी।

भारत के प्रमुख सीमेन्ट उत्पादक राज्य

आन्ध्र प्रदेश	कृष्णा, विजयवाड़ा, मनचेरियल, मछेरिया, पनयम।
कर्नाटक	भोजपुर, भद्रावती, बागलकोट, बंगलुरु।
तमिलनाडु	डालमियापुरम्, मधुकराय, तुलकापट्टी।
मध्य प्रदेश	सतना, कटनी, जबलपुर, रतलाम।
छत्तीसगढ़	दुर्ग, जामुल, तिलदा, मंधार, अकलतरा।
झारखंड	जपला, खेलारी, कल्याणपुर, सिन्दरी और झींकपानी।
गुजरात	पोरबन्दर/द्वारका, सीका (जामनगर), भावनगर, सेवालियम और रानायाय।
पंजाब	सूरजपुर।
राजस्थान	जयपुर, लखेरी।
हरियाणा	चरखी दादरी।
ओडिशा	राजगंगपुर।
उत्तर प्रदेश	मिर्जापुर, चुर्क।
केरल	कोट्टायम।

कागज उद्योग

- कागज का पहला सफल कारखाना 1879 ई. में लखनऊ में लगाया गया।
- मध्य प्रदेश के नेपानगर में अखबारी कागज तथा होशंगाबाद में नोट छापने के कागज बनाने का सरकारी कारखाना है।

कागज के प्रमुख उत्पादक राज्य

झारखंड	संथाल परगना।
बिहार	पटना, बरौनी, समस्तीपुर आदि।
प. बंगाल	टीटागढ़, रानीगंज, नैहाटी, त्रिवेणी, कोलकाता, हुगली, बड़ानगर, शिवराफूली।
आन्ध्र प्रदेश	राजमहेन्द्री, तिरुपति आदि।
तेलंगाना	सिरपुर, कागजनगर
उत्तर प्रदेश	सिकन्दराबाद, मेरठ, सहारनपुर, पिपराइच, मुजफ्फरनगर, पिलखुआ, लखनऊ, नैनी।
मध्य प्रदेश	नेपानगर (अखबारी कागज बनाने का सरकारी कारखाना)।
तमिलनाडु	पट्टीपलायम (सलेम), चरणमहादेवी (तिरुनलवैली) तथा पालनी।
महाराष्ट्र	मुम्बई, पुणे, बल्लारपुर, चन्द्रपुर, कल्याण, कराड, पिम्परी, भिवण्डी, रोहा।
गुजरात	वापी, सूरत, बड़ोदरा, राजकोट, बरजोद, उदावाड़ा आदि।

रासायनिक उर्वरक उद्योग

- ऐतिहासिक रूप से देश में सुपर फॉस्फेट उर्वरक का पहला कारखाना 1906 ई. को तमिलनाडु के रानीपेट नामक स्थान पर स्थापित किया गया था।
- 1944 ई. में कर्नाटक के बैलेगुला नामक स्थान पर मैसूर केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स के नाम से अमोनिया उर्वरक का कारखाना लगाया गया।
- 1947 ई. में अमोनिया सल्फेट का पहला कारखाना केरल के अल्वाय नामक स्थान पर खोला गया।
- भारतीय उर्वरक निगम की स्थापना 1951 ई. में की गयी, जिसके अंतर्गत एशिया का सबसे बड़ा उर्वरक संयंत्र सिन्दरी में स्थापित किया गया।
- भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा रासायनिक उर्वरक उत्पादक एवं उपभोक्ता है।

- भारत पोटाश उर्वरक के लिए पूरी तरह आयात पर निर्भर है।
- भारत में प्रति हेक्टेयर उर्वरक खपत में प्रथम स्थान पंजाब का है, और दूसरा एवं तीसरा स्थान क्रमशः आंध्र प्रदेश तथा हरियाणा का है।
- कोक आधारित उर्वरक इकाइयाँ तालचर (ओडिशा), रामागुण्डम (आन्ध्रप्रदेश) तथा कोरबा (छत्तीसगढ़) में अवस्थित है।

भारत में प्रमुख रासायनिक उर्वरक उत्पादक राज्य	
झारखंड	सिन्दरी।
राजस्थान	खेतड़ी, सलादीपुर एवं कोटा
बिहार	बरौनी।
ओडिशा	राउरकेला, तलचर।
उत्तर प्रदेश	कानपुर, गोरखपुर, इलाहाबाद (फूलपुर)।
महाराष्ट्र	मुम्बई, ट्राम्बे, अम्बरनाथ तथा लोनी।
प. बंगाल	बर्नपुर, हल्दिया, रिसरा तथा खारदाह।
कर्नाटक	मंगलुरु, बेलागुला तथा मुनीराबाद।
गुजरात	कांडला, बड़ौदरा, हजीरा, भावनगर।
आन्ध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम, तादेपल्ली तनूकू
तमिलनाडु	नेवेली, रानीपेट, इन्नौर, कोयम्बटूर, तूतीकोरिन आवाडी एवं मनाली।

- उत्तरप्रदेश के शाहजहाँपुर एवं जगदीशपुर के कारखाना भी गैस आधारित है।
- कृभको का गैस आधारित यूरिया–अमोनिया संयंत्र हजीरा (गुजरात) में है।

मोटरगाड़ी उद्योग

- मोटरगाड़ी उद्योग को विकास उद्योग के नाम से जाना जाता है।
- इस उद्योग से संबंधित प्रमुख इकाइयाँ हैं–हिन्दुस्तान मोटर (कोलकाता), प्रीमियर ऑटोमोबाइल्स लि. (मुम्बई), अशोक लिलैण्ड (चेन्नई), टाटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी लि. (जमशेदपुर), महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लि. (पुणे), मारुति उद्योग लि. गुड़गाँव (हरियाणा), सनराइज इण्डस्ट्रीज (बंगलुरु)।

जलयान–निर्माण उद्योग

- भारत में जलयान–निर्माण का प्रथम कारखाना 1941 ई. में सिन्धिया स्टीम नेवीगेशन कंपनी द्वारा विशाखापत्तनम में स्थापित किया गया था।
- 1952 ई. में भारत सरकार द्वारा इसका अधिग्रहण करके हिन्दुस्तान शिपयार्ड विशाखापत्तनम नाम दिया गया है।
- सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य इकाइयाँ जो जलयानों का निर्माण करती हैं–
  1. गार्डेनरीच वर्कशॉप लि.–कोलकाता (पश्चिम बंगाल 2. गोवा शिपयार्ड लि.–गोवा
  3. मैझगाँव डाक लि.–मुम्बई (महाराष्ट्र)।

वायुयान–निर्माण उद्योग

- भारत में वायुयान निर्माण का प्रथम कारखाना 1940 ई. में बंगलुरु में हिन्दुस्तान एअरक्राफ्ट कम्पनी के नाम से स्थापित किया गया है।
- अब इसे हिन्दुस्तान एअरोनॉटिक्स लि. के नाम से जाना जाता है।
- आज बंगलुरु में ही इसकी पाँच इकाइयाँ तथा कोरापुट कोरबा नासिक बैरकपुर, लखनऊ, हैदराबाद तथा कानपुर में एक–एक इकाइयाँ वायुयानों के निर्माण कार्य में संलग्न हैं।

शीशा उद्योग

- भारत में शीशा उद्योग का केन्द्रीयकरण रेल की सुविधा वाले स्थानों में देखने में मिलता है।
- इस उद्योग का विकास मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु राज्य में हुआ है।
- फिरोजाबाद एवं शिकोहाबाद भारत में शीशा उद्योग के महत्वपूर्ण केन्द्र हैं।

शीशा उद्योग के महत्वपूर्ण केन्द्र	
गुजरात	बड़ौदा, मौरवी
बिहार	पटना एवं कहलगाँव
प. बंगाल	बेलगछिया, सीतारामपुर, रिसड़ा, बर्द्धवान, रानीगंज एवं आसनसोल
झारखंड	जमशेदपुर, हजारीबाग, धनबाद
महाराष्ट्र	मुम्बई, पुणे, दादर, सतारा, शोलापुर एवं नागपुर
उत्तर प्रदेश	नैनी, रामनगर, बहजोई, बालाबाली एवं फिरोजाबाद
राजस्थान	जयपुर
अन्य स्थान	अम्बाला, अमृतसर, हैदराबाद, जबलपुर, बंगलुरु एवं गुवाहाटी

कुटीर उद्योग बोर्ड	1948
केन्द्रीय सिल्क बोर्ड	1949
अखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड	1950
अखिल भारतीय हस्तकला बोर्ड	1953
अखिल भारतीय खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड	1954
लघु उद्योग बोर्ड	1954
केन्द्रीय विक्रय संगठन (चेन्नई)	1958

दवा-निर्माण उद्योग

- प्रमुख स्थान–मुम्बई, दिल्ली, कानपुर, हरिद्वार, ऋषिकेश, अहमदाबाद, पुणे, पिम्परी (पेन्सिलीन), मथुरा, हैदराबाद आदि।

अभियान्त्रिकी उद्योग

- प्रमुख स्थान–हटिया, दुर्गापुर, विशाखापत्तनम, नैनी, बंगलुरु, अजमेर, जादवपुर आदि।
- भारी इंजीनियरिंग निगम लिमिटेड (H.E.C.) राँची की स्थापना 1958 ई. में की गयी थी।

रेल उपकरण उद्योग

- चितरंजन (पश्चिम बंगाल) रेल के इंजन बनाने का सबसे पुराना कारखाना है।
- इस कारखाने की स्थापना 26 जनवरी, 1950 के दिन चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स के नाम से हुई।
- वर्तमान में वहाँ विद्युत इंजन का निर्माण हो रहा है।
- डीजल से चलने वाले इंजनों का निर्माण वाराणसी में होता है।
- रेलवे इंजन निर्माण का कार्य जमशेदपुर (झारखंड) में भी होता है।
- आई. आई. टी. रुड़की में देश के पहले रेलवे इंजन थामसन को संरक्षित किया गया है।
- रेल के डिब्बे बनाने का प्रमुख केन्द्र चेन्नई के समीप पेराम्बूर नामक स्थान पर सन् 1952 में स्थापित किया गया और इसमें उत्पादन की शुरुआत 2 अक्टूबर, 1955 से हुई।
- इसके अन्य प्रमुख केन्द्र बंगलुरु तथा कोलकाता है।
- पंजाब के कपूरथला में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री की स्थापना की गई है।
- रायबरेली (उत्तर प्रदेश) व कचरापारा (पश्चिम बंगाल) में रेलवे कोच फैक्ट्री की नई उत्पादन इकाई लगायी गयी है।
- केरल के पालाकाड में भी रेल कोच फैक्ट्री लगाया जा रहा है।
- बिहार के मढ़ौरा में डीजल इंजन एवं मधेपुरा में विद्युत इंजन कारखाना लगाया जा रहा है।
- छपरा (बिहार) में रेल व्हील फैक्ट्री स्थापित की गई है।
- पश्चिम बंगाल के दनकुनी में विद्युत एवं डीजल इंजन के अवयव बनाने की दो फैक्ट्री लगाई जा रही है।
- बिजली के सामान : भोपाल, हरिद्वार, रामचन्द्रपुरम (हैदराबाद), तिरुचिरापल्ली एवं कोलकाता।
- टेलीफोन उद्योग : बंगलुरु एवं रूपनारायणपुर (कोलकाता)।

ऊनी वस्त्र

- भारत में ऊनी वस्त्र की पहली मिल 1876 ई. में कानपुर में स्थापित की गई, परन्तु इस उद्योग का वास्तविक विकास 1950 ई. के बाद ही हुआ है।
- पंजाब में लुधियाना, जालंधर, धारीवाल, अमृतसर महत्वपूर्ण केन्द्र हैं।

ऊनी वस्त्र के महत्वपूर्ण केन्द्र :

कर्नाटक	बंगलुरु, मैसूर।
पंजाब	अमृतसर, धारीवाल।
जम्मू-कश्मीर	श्रीनगर।
उत्तर प्रदेश	मिर्जापुर, आगरा, मुजफ्फरनगर, शाहजहाँपुर
राजस्थान	जयपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, जोधपुर।

- ब्रिटेन, यू. एस. ए. कनाडा, जर्मनी आदि भारतीय कालीनों के महत्वपूर्ण आयातक हैं।

रेशम उद्योग

- भारत एक ऐसा देश है जहाँ शहतूत, ईरी, टसर एवं मूंगा सभी चार किस्मों की रेशम का उत्पादन होता है।
- मूंगा रेशम उत्पादन में भारत को एकाधिकार प्राप्त है।
- कर्नाटक देश का 41% से अधिक कच्चा रेशम उत्पादन करता है।
- यहाँ शहतूती (मलबरी) रेशम बनाया जाता है।
- यहाँ देश का 56% रेशमी धागा बनाया जाता है।

संस्थान	स्थान
केन्द्रीय रेशम अनुसंधान प्रशिक्षण	मैसूर एवं ब्रह्मपुत्र
केन्द्रीय ईरी रेशम अनुसंधान	मेन्दी पाथर (मेघालय)
केन्द्रीय टसर अनुसंधान प्रशिक्षण	राँची (झारखंड)

- रेशम उत्पादन आन्ध्र प्रदेश (35%) दूसरे स्थान पर है।
- भारत के कुल कपड़ा निर्यात में रेशमी वस्त्रों का योगदान लगभग 3% है।
- गैर-शहतूती रेशम मुख्यतः असम, बिहार और मध्यप्रदेश से प्राप्त होता है।

कर्नाटक	बंगलुरु, मैसूर
जम्मू-कश्मीर	श्रीनगर, जम्मू, उधमपुर, अनन्तनाग, बारामूला
पंजाब	अमृतसर, गुरुदासपुर, होशियारपुर, लुधियाना
तमिलनाडु	सलेम, तंजौर, कांजीवरम्, तिरुचिरापल्ली, कोयम्बटूर
प. बंगाल	मुर्शिदाबाद, बांकुड़ा, हावड़ा, चौबीस परगना
गुजरात	अहमदाबाद, सूरत, भावनगर, पोरबंदर
बिहार	भागलपुर, गया, पटना
उत्तरप्रदेश	मिर्जापुर, वाराणसी, शाहजहाँपुर

- भारत चीन के बाद विश्व का द्वितीय रेशम उत्पादक देश (18%) है।

चर्म उद्योग

- भारत में चर्म उद्योग के मुख्य केन्द्र कानपुर, आगरा, मुम्बई, कोलकाता, पटना तथा बंगलूरु है।
- कानपुर चर्म उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र है। यह जूते बनाने के लिए प्रसिद्ध है।